मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 55 अंक 4 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
अप्रैल 2019 बहाई वर्ष : 176

विश्व न्याय मन्दिर

प्रगति का एक प्रभावी संकेतक यह था कि असंख्य जगहों पर यह स्पष्ट हो गया कि प्रभुधर्म राष्ट्रीय स्तर पर अपनी गुमनामी के अंधकार से बाहर आ चुका है। शासन–सूत्र का संचालन करने वाले अनेक नेताओं और प्रबुद्ध लोगों ने सार्वजनिक रूप से कहा––और कई बार निजी तौर पर इस बात पर जोर दिया––कि आज की दुनिया को बहाउल्लाह की संकल्पना की जरूरत है और यह कि बहाईयों द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय हैं और उनका विस्तार किया जाना चाहिए।

–रिज़वान 2018

झारखण्ड की गतिविधियाँ

• झारखण्ड के जमशेदपुर क्लस्टर के 4 समुदायों–कदमा, बिरसानगर, बागुन्हातु और छायानागर में तथा आसनबनी क्लस्टर के आसनबनी समुदाय में बहाई बाल एवं किशोर मेले का आयोजन 3, 10 एवं 17 मार्च 2019 को किया गया, जिसमें लगभग 800 बच्चों एवं किशोरों ने भाग लिया। इस अवसर पर कुल 15 समुदायों से बच्चों एवं किशोरों के साथ–साथ अभिभावक भी शामिल हुए। इस आयोजन का प्रथम उद्देश्य बच्चों एवं किशोरों द्वारा अपनी प्रतिभाओं एवं सीखों को दूसरों के साथ साझा करना था। दूसरा उद्देश्य बहाई बाल कक्षाओं एवं किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रमों से अधिक से अधिक अभिभावकों को इसके उद्देश्यों एवं बहाउल्लाह की शिक्षाओं से अवगत कराना था। कार्यक्रमों के दौरान विभिन्न बच्चों एवं किशोरों द्वारा गीत, संगीत, कलाकृतियाँ एवं नाटक प्रस्तुत किए गये, जो उन्होंने अपनी–अपनी कक्षाओं में सीखे थे। उन्होंने न सिर्फ बहाई शिक्षाओं की प्रस्तुति की अपितु स्वच्छता, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, पर्यावरण इत्यादि महत्वपूर्ण विषयों की भी जानकारी अपनी प्रस्तुतियों से देने का प्रयास किया। बैठकों के दौरान अभिभावकों ने भी अपने बच्चों एवं किशोरों में हो रहे परिवर्तनों को दूसरों के साथ साझा किया। इन सभी स्थानों में समारोह की संपूर्ण तैयारी अनुप्रेरकों एवं शिक्षकों द्वारा की गई, जिसका परिणाम यह था कि अत्यंत ही आध्यात्मिक एवं अनुशासनता भरे वातावरण में इन कार्यक्रमों की समाप्ति हुई।

• जमशेदपुर स्थित बहाई केंद्र में 25 से 27 मार्च 2019 को तीन दिवसीय वार्षिक योजना एवं बजट सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें झारखण्ड के 9 क्लस्टरों के 16 समुदायों से 57 मित्रों ने भाग लिया। इस अवसर पर आदरणीय महाद्वीपीय सलाहकार श्री दृगपाल सिंह भी उपस्थित रहे।



आसनबनी में आयोजित बाल एवं किशोर मेले के प्रतिभागी

इस अंक में

- झारखण्ड की गतिविधियाँ 1
- नवरूज़ का महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 1
- बहाई विवाह 2
- स्वागत पर्वराज रिज़वान 3
- कल्याण के मित्रों द्वारा प्रगति अंध विद्यालय का भ्रमण 3
- बदवार में बच्चों की कक्षायें 4

अन्य बहाई कार्यक्रमों की महत्वता को साझा करने हेतु पड़ोसी राज्यों से मित्रों ने भाग लिया। लर्निंग साईट से श्री रोहित तिवारी, सामुदायिक विद्यालय की अवधारणा को स्पष्ट करने हेतु श्री संदीप मल्लिक एवं श्री श्यामल महतो, बहाई बाल कक्षाओं के प्रतिनिधि

शेष पृष्ठ 4 पर

राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा की ओर से

पर्वराज रिज़वान

की आप सभी को हार्दिक शुभकामनायें

नवरूज़ का महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

• विश्व भर के बहाइयों द्वारा 20 और 21 मार्च को समस्त दुनिया में "नवरूज़" का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भारत के सभी राज्यों में इस पावन पर्व पर कई



भोपाल बहाई भवन में आयोजित नवरूज के समारोह में उपस्थित मित्रगण

उत्सवों का आयोजन किया गया।

मध्य प्रदेश के बहाई समुदायों द्वारा इन्दौर, ग्वालियर, बदवार, शाजापुर, उज्जैन, सुसैरा और भोपाल



शाजापुर में आयोजित नवरूज के कार्यक्रम में उपस्थित मित्रगण

में हर्षोउल्लास के साथ नवरूज़ मनाया गया। भोपाल के स्थानीय बहाई मित्रों ने उन्नीस दिनों के बहाई उपवास की समाप्ति के साथ भोपाल के बहाई भवन में 20 मार्च की शाम को स्थानीय आध्यात्मिक सभा की योजना के अनुसार सबसे पहले मित्रगण उपवास खोलने के लिए एकत्रित हुए और सबने एक साथ मिलकर एक आध्यात्मिक और प्रेममयी वातावरण में उपवास खोला। तदोपरान्त उन्नीस दिवसीय सहभोज का आयोजन कर राष्ट्रीय सभा से प्राप्त सहभोज पत्र को पढ़ा गया व चर्चा की गई।

शाम साढ़े सात बजे से नवरूज़ कार्यक्रम का शुभारंभ नवरूज़ की पाती के पाठ से किया

शेष पृष्ठ 3 पर

बहाई विवाह



गुरुग्राम के श्री राहुल मण्डल और सुश्री जानकी मण्डल का विवाह 13 मार्च, 2019 को बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा गुरुग्राम के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।



झारखण्ड के जमशेदपुर क्लस्टर की सुश्री आरती छत्री एवं जमशेदपुर के ही श्री बबलू दीप का विवाह 10 मार्च, 2019 को बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा जमशेदपुर के तत्वावधान में संपन्न हुआ।



गुरुग्राम के श्री त्रिदेव अध्या और सुश्री नीतू बोस का विवाह 8 मार्च 2019 को बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा गुरुग्राम के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।

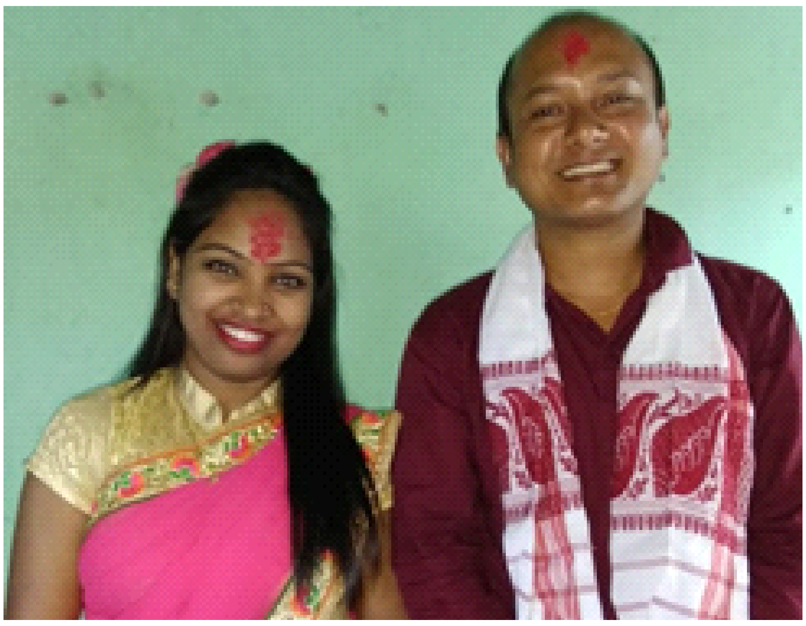
बहाई विवाह



मध्य प्रदेश की कुमारी जानकी कुशवाह का बहाई विवाह जौरा के रहने वाले मित्र श्री रमेश कुशवाह के साथ 9 मार्च 2019 को ग्वालियर स्थानीय आध्यात्मिक सभा के तत्वाधान में बहाई विधि विधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



लाहोरीजन के श्री विक्की घोष और दार्जिलिंग की सुश्री प्रेमिका थापा का विवाह 3 फरवरी, 2019 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



डिब्रूगढ़, असम के श्री राजू छेत्री और डिगबोई की सुश्री जानकी छेत्री का विवाह 10 अक्टूबर, 2018 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

स्वागत पर्वराज रिज़्वान

सन् 1863 के नवरूज़ के अवसर पर बहाउल्लाह ने बगदाद के बाहरी इलाके में तम्बू तनवाया था। अपने सहयोगियों के साथ वह नववर्ष का त्यौहार मना रहे थे। बहाउल्लाह स्वयं उस दिन तम्बू में ही ठहरे थे और आस–पास तम्बू लगाकर उनके सहयोगी भी ठहरे थे। वसंत काल की अभी शुरूआत ही हुई थी, मौसम खुशनुमा था, बहाउल्लाह को वैसे भी प्रकृति से अधिक प्रेम था। उनके साथ–साथ उनके सहयोगी भी प्रकृति के सौन्दर्य का आनन्द ले रहे थे।

ऊपर से प्राकृतिक सौन्दर्य का आनन्द लेते हुये बहाउल्लाह प्रसन्नता का भाव तो अवश्य व्यक्त करते लेकिन कुछ षड़यंत्रकारियों के कारनामे और तत्कालीन प्रशासन द्वारा दी जाने वाली यातानाओं से वह अन्दर–ही–अन्दर अत्यन्त क्षुब्ध थे। उनके अन्तर्मन की पीड़ा का ही परिणाम था 'पावन नाविक की पाती' का प्रकटीकरण, जिसे पहली बार जब पढ़ा गया तो सुनने वालों की आँखें नम हो आईं। लोग समझ चुके थे कि बहाउल्लाह के बगदाद प्रवास का समय समाप्त हो रहा है। पाती का पाठ जैसे ही समाप्त हुआ बहाउल्लाह ने अपने सहयोगियों को आदेश दिया कि वे अपने तम्बू समेट लें और शहर में वापस अपने घरों में चले जायें।

तम्बू अभी समेटे भी नहीं गये थे कि तत्कालीन गवर्नर का दूत इस संदेश के साथ आया कि वह बहाउल्लाह से मिलना चाहते हैं। बहाउल्लाह ने नगर की एक मस्जिद में गवर्नर से मिलना बेहतर समझा। गवर्नर बहाउल्लाह की प्रतिभा और उनके अद्भुत ज्ञान से पहले से ही प्रभावित था। इसी कारण लगभग तीन महीनों तक वह उन्हें ओटोमन साम्राज्य के इस निर्णय की सूचना नहीं दे सका कि बहाउल्लाह को बगदाद छोड़ कर एड्रिओनोपल निष्कासित कर दिया गया है। वह इतना शर्मिन्दा था कि खुद बहाउल्लाह से मिलने मस्जिद न आकर उसने अपने सहायक को ओटोमन साम्राज्य के संदेश के साथ भेजा। कुछ सप्ताह बाद गवर्नर ने बहाउल्लाह से रिज़्वान के बाग में मुलाकात की।

रिज़्वान का बाग, वह पावन स्थली जहाँ बहाउल्लाह ने अपने अवतरण के उद्देश्य का उद्घोष सन् 1863 में किया। बहाउल्लाह ने स्वयं इसे 'सर्वमहान त्यौहार' और 'पर्वराज' की संज्ञा दी है।

बहाउल्लाह के बगदाद छोड़ने की बात सुनकर उन्हें चाहने वाले व्यथित थे, दुःखों का पहाड़ जैसे उन पर टूट पड़ा था। वे रात–दिन बहाउल्लाह के घर के इर्द–गिर्द परेशान हाल में घूमते। बहाउल्लाह ने असहाय पीड़ा की इस घड़ी को असीम आनन्द के दिनों में तब तब्दील कर दिया जब उन्होंने कोई तीन सप्ताह बाद ही रिज़्वान के बाग में अपने अवतारीय स्थान की घोषणा कुछ चुने हुए मित्रों के समक्ष की, जिन्होंने तत्काल बहाउल्लाह में अपनी आस्था व्यक्त कर दी। आज यह दिन, यानि 21 अप्रैल का दिन सर्व महान उत्सव का दिन पूरे विश्व बहाई समुदाय के लिये उल्लास का दिन माना जाता है। दुःख को सुख में और अंधकार को प्रकाश में बदल देने की यह अद्भुत चमत्कारी शक्ति है। रिज़्वान का पहला, नौवाँ और बारहवाँ दिन पावन दिवस के रूप में मनाया जाता है जब बहाई काम पर नहीं जाते। रिज़्वान के पहले दिन अब पूरी दुनिया में स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के चुनाव का पुनीत कार्य भी हर वर्ष सम्पन्न किया जाता है।

नवरूज़ का महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

पृष्ठ 2 का शेष

गया। इस अवसर पर 15 वर्ष की आयु वाले युवा बहाई जिन्होंने पहली बार उपवास का शुभारंभ किया उन्होंने अपने अनुभव बाटें। कई रंगारंग कार्यक्रम में गीत, संगीत व नृत्य प्रस्तुत किये गए। बहाई आध्यात्मिक सभा द्वारा कई बच्चों व युवाओं को सम्मानित भी किया गया।

• उत्तर प्रदेश में स्थानीय आध्यात्मिक सभा लखनऊ एवं गोरखपुर द्वारा नवरूज़ का



लखनऊ में आयोजित समारोह में भाग लेने वाले कुछ प्रतिभागी

आयोजन किया गया। इस अवसर पर मित्रों द्वारा कई महत्वपूर्ण और मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह भी सूचना मिली

उपवास व नववर्ष पर श्री भूपेंद्र भारद्वाज ने अपने वक्तव्य में बहाउल्लाह द्वारा दिये गए उपवास के नियम व बहाई कैलेंडर के बारे



गोरखपुर में आयोजित उत्सव में भाग लेने वाले प्रतिभागी

में बताते हुए कहा कि आज के दिन पूरी दुनिया में दिन व रात लगभग बराबर होते हैं एवं नववर्ष का शुभारंभ होता है। स्थानीय बहाई

है कि बहाई नववर्ष का आयोजन कई परिवारों के समूहों में भी बनाया गया, जो कि एक प्रकार का नया अनुभव रहा।

कल्याण के मित्रों द्वारा प्रगति अंध विद्यालय का भ्रमण



स्थानीय आध्यात्मिक सभा कल्याण की योजनानुसार कुछ मित्रों ने बदलापुर, महाराष्ट्र स्थित प्रगति अंध विद्यालय का भ्रमण किया। वहाँ उपस्थित लगभग 60 विद्यार्थियों और 22 स्टॉफ सदस्यों को बहाई संदेश दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य और अध्यक्ष महोदया भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीत और संगीत भी प्रस्तुत किया।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
New Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

झारखण्ड की गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

श्री अभिनंदन शर्मा, सामाजिक क्रिया हेतु श्री राहुल कुमार भी विशेष रूप से शामिल हुए। साथ ही झारखण्ड के विभिन्न क्लस्टरों के संयोजक एवं सहयोगी, राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगी, स्थानीय सभा के सदस्य, क्लस्टर विकास समितियों के सदस्य एवं सहायक मंडल सदस्यों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम का प्रथम उद्देश्य गत् वर्ष हुई प्रत्येक क्लस्टरों की संख्यात्मक एवं गुणात्मक वृद्धि में शामिल करना। इन महत्वपूर्ण अवधारणाओं की स्पष्ट समझ प्राप्त करने हेतु इन तीन दिनों में 3 मई 2018 का संदेश, 29 दिसम्बर 2015 से चुने हुए अंशो का अध्ययन, जीवंत समुदायों का निर्माण संबंधित अंश, बहाई बच्चों की शिक्षा के कार्यक्रम को प्रणालीबद्ध करना संबंधित आवश्यक परिपत्रों का अध्ययन किया गया।

पिछले वर्ष बहाउल्लाह के 200वें जन्मोत्सव में झारखण्ड में लगभग



जमशेदपुर में आयोजित योजना सत्र में भाग लेने वाले प्रतिभागी

एवं सीखो एवं चुनौतियों को प्रस्तुत करना था।

दूसरा उद्देश्य गत् वर्ष की प्राप्त सीखो के आधार पर इस वर्ष भी संख्यात्मक एवं गुणात्मक वृद्धि की योजना तैयार करना था और तीसरा उद्देश्य अपनी योजनाओं में महात्मा बाब के 200वें जन्मोत्सव की तैयारी, सामाजिक क्रियाओं की पहचान, सामुदायिक विद्यालय सम्बंधित संवाद को समुदायों में स्थापित करना तथा भक्तिपरक सभाओं को व्यवस्थित करने हेतु परिवार समूहों का गठन करना था। साथ ही किशोरों का एक पुस्तक से दूसरे पुस्तकों में स्नातक, बहाई बाल कक्षाओं का एक ग्रेड से दूसरे ग्रेड में प्रवेश, शिक्षकों का ग्रेड ट्रेनिंग, गृह भ्रमण, शिक्षण, घोषणा, इत्यादि विषयों को अपनी वार्षिक योजना 1800 मित्रों ने भाग लिया था। परंतु इस वर्ष महात्मा बाब के जन्मोत्सव में लगभग 18 क्लस्टरों में 8000 मित्रों के साथ उत्सव मनाने की योजना तैयार की गयी। साथ ही पिछले वर्ष पूरे झारखण्ड में 700 गतिविधियाँ थी जो इस वर्ष बढ़कर दोगुनी यानि 1418 हो गयी हैं तथा आगामी वर्ष में योजना 3468 गतिविधियों के साथ कार्य करने की है। साथ ही इस वर्ष परिषद 61 समुदायों के साथ कार्य कर रही है जो आगामी वर्ष बढ़कर 101 हो जायेगी। इस वर्ष 161 परिवार समूहों के साथ कार्य करेंगे तथा गृह भ्रमण 2365, शिक्षण 1330, घोषणा 545, दान देने वालों की संख्या में बढ़ोत्तरी 175 हो जायेगी।

बदवार में बच्चों की कक्षायें

बदवार एक ग्रमीण समुदाय है जहां पर एक सशक्त स्थानीय आध्यात्मिक सभा है जिसके अधिकतर सदस्य 60 वर्ष से अधिक आयु के हैं, यहां की सभा अपने योगदान देना चाहिए और गांव के छोटे वर्ग के बच्चों व किशोरों के लिए आध्यात्मिक कक्षाओं का आयोजन करते रहना चाहिए।

बदवार समुदाय में नियमित



बदवार में आयोजित बच्चों की कक्षा में अध्ययनरत बच्चे

स्तर पर समुदाय निर्माण की गतिविधियों का नियमित रूप से आयोजन करने में मदद करती है और गांव के युवाओं को हमेशा प्रोत्साहित करती रहती है कि उन्हें समुदाय के बेहतर निर्माण में अपना रूप से बच्चों की कक्षायें, किशोर कार्यक्रम एवं अध्ययनवृत्त कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है।

इसके अलावा यहां पर स्थित बहाई भवन का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

बहाई विश्व केन्द्र में सेवा के अवसर

जैसे–जैसे दुनिया के हर भाग में प्रभुधर्म के कार्य फैलते जा रहे हैं वैसे–वैसे बहाई विश्व केन्द्र की प्रभावशाली कार्यविधि का महत्व बढ़ता जा रहा है। प्रभुधर्म के विश्व केन्द्र का वर्णन शोगी एफेंदी द्वारा कुछ इन शब्दों में किया गया है : विश्व केन्द्र "नई विश्व व्यवस्था की एजेंसियों की धुरी है," यह विविध देशों से आये अनुयायियों के निरन्तर प्रवाह से सम्बलित है, जो निःस्वार्थ भाव से सेवा की एक निश्चित अवधि के लिये आते हैं, जो अवधि भिन्न–भिन्न हुआ करती है। विश्व केन्द्र में स्टॉफ की ज़रूरत विभिन्न कामों के लिये होती है, जो उपलब्ध संसाधनों और बढ़ती हुई ज़रूरतों के आधार पर निर्भर करते हैं। किसी ख़ास समय में सुयोग्य और प्रशिक्षित व्यक्तियों की ज़रूरत होती है। तो किसी अन्य समय में सामान्य काम–काज के लिये ज़रूरत होती है। विश्व केन्द्र में सेवा की प्रकृति के कारण 12 महीने या अधिक समय के लिये यह ज़रूरत पड़ती है। इच्छुक व्यक्ति को अंग्रेजी का ज्ञान होना चाहिये।

सेवा देने के इच्छुक किसी भी मित्र को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाता है कि वह सीधे तौर पर अपना आवेदन https:/bahai.bwc.org/service/ पर भेज कर कार्मिक विभाग से सम्पर्क करे।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.4. 2019
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)

प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख